

प्रेषक

डा० हेमलता ढोंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
नैनीताल/उधमसिंह नगर/अल्मोड़ा/
पिथौरागढ़/बागेश्वर/चम्पावत/देहरादून/पौड़ी/टिहरी/
धमौली/उत्तरकाशी/रूद्रप्रयाग/हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 21 अप्रैल, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु जिला उद्योग केंद्रों का आधुनिकीकरण योजना (जिला योजना) में धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु 16-जिला उद्योग केंद्रों का आधुनिकीकरण योजनान्तर्गत स्वीकृत धनराशि निम्न विवरणानुसार कुल ₹0 33.86 लाख (₹0 तैंतीस लाख छियासी हजार मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

जनपद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि(₹0 लाख में)
नैनीताल	3.00
उधमसिंह नगर	4.00
अल्मोड़ा	1.40
पिथौरागढ़	2.50
बागेश्वर	1.16
चम्पावत	2.40
देहरादून	5.00
पौड़ी	2.25
टिहरी	0.50
धमौली	8.10
उत्तरकाशी	1.75
रूद्रप्रयाग	2.80
हरिद्वार	1.00

2- उक्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय उन्हीं मदों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता नितात आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का काफ़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2009 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तराखण्ड

शासन को सफल बनाया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2009 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

4- धनराशि के आहरण के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त योजनाएँ जिला विकास एवं अनुश्रवण समिति द्वारा जनपदवार अनुमोदित प्लान परियोजना एवं अनुमोदित योजनाओं पर ही व्यय की जा रही हैं। जनपदवार अनुमोदित प्लान परियोजना के अनुरूप ही व्यय किया जाय।

5- स्वीकृत धनराशि जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परियोजना/प्रोजेक्टों के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा एवं धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरान्त शासनपक्ष दिनांक 27 मार्च 2008 में उल्लिखित निर्देशानुसार किया जायेगा।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लक्ष्यशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-अयोजनागत, 102-लघु उद्योग, 16-जिला उद्योग केंद्रों का आधुनिकीकरण-00, 42-अन्य व्यय मद के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के शासनपक्ष संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 के प्रस्तर-5 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किया जा रहे हैं।

(अमर सचिव)
(उप सचिव, वित्त विभाग)
अमर सचिव

पृष्ठांक संख्या: 1793(1)/VII-2-08/102-उद्योग/2008, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. आयुक्त, सदरवाल भण्डार, पीई/कुमाऊँ भण्डार, नैनीताल।
4. समस्त महाप्रबंधक/अगरी महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र।
5. निजी सचिव, गठ मुख्यमंत्री जी।
6. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड।
8. अमर सचिव, वित्त (नजद), उत्तराखण्ड शासन।
9. अमर सचिव, निषेधन, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एनडीआरडी, राजिवालय बक्सर, देहरादून।
11. वित्त अनुदान-2
12. गार्ड-फाइल।

(अमर सचिव)
(उप सचिव, वित्त विभाग)
अमर सचिव